अखिल भारतीय गांधर्व महाविद्यालय मंडल, मुंबई.

परीक्षा सत्र : नवम्बर-दिसम्बर 2023

परीक्षा का नाम : अलंकार प्रथम (प्रथम प्रश्नपत्र)

विषय : तबला-पखावज

दि. 19/11/2023 समय : 3 घंटे (सुबह 9 से 12) कुल अंक : 100

सूचना : 1) प्रश्न क्र. 2 अनिवार्य है ।
2) उर्वरीत छः प्रश्नों में से चार प्रश्न हल किजिए ।
3) सभी प्रश्न के अंक समान है ।

प्र.1. अ) उचित शब्द चुनकर रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिये। (10)

1. गायन, वादन, नृत्य को समन्वित रुपसे आधार देना ही -------- – का कार्य है।
(लय, ठेका, ताल)
2. दीपचंदी ताल ---------- जाति का ताल है।
(संकीर्ण, मिश्र, खंड)
3. गीत, वाद्य, नृत्य के साथ होनेवाला ताल का आरंभ ---------- कहलाता है।
(समग्रह, विषमग्रह, ग्रह)
4. देढ गुनी लय की दुगुन करने पर ---------- होती है।
(दुगुन, पौन गुन, तिगुन)
5. 'आमद' यह शब्द संगीत की ---------- विधा से संबंधित है।
(नृत्य, गायन, वादन)
6. अप्रचलित तालों मे से रुद्रताल ---------- का ताल है।
(22 मात्रा, 11 मात्रा, 9 मात्रा)
7. पंचजाति भेदानुसार सात तालों से ---------- तालों की निर्मिति होती है।
(35, 125, 45)
8. ठुमरी गायन के लिये ---------- यह ताल उपयुक्त है।
(आडाचौताल, धमार, दीपचंदी)

9. अवनद्ध वाद्य की श्रेणीमे ------इस वाद्य का समावेश होता है।
(ढोलकी, घुंघरु, वीणा)

10. 'मृदंग' शब्द आदिकालमें ---------- वाद्य का नाम था।
(मांदल, पुष्कर, मर्दल)

ब) जोडियाँ मिलाईये। **(10)**

1. सुषीर वाद्य	1. पखावज
2. घन वाद्य	2. प्राचनी अवनद्ध वाद्य
3. ध्रुपद	3. मंजिरा
4. भू-दुंदुंभी	4. शहनाई
5. 4 मे 5	5. यति
6. नौहक्का	6. तबला
7. गतनिकास	7. सितार
8. पेशकार	8. कथ्थक नृत्य
9. रजाखानी	9. कुआड
10. मृदंगा	10. 9 धा

प्र.2. लिपिबद्ध कीजिये। (कोई भी चार) **(20)**

अ) त्रिताल/आदिताल मे तिपल्ली चक्रदार।
ब) रुद्रताल में चक्रदार।
क) ताल पंचम सवारी मे कायदा और तिहाई।
ड) धमार ताल में स्तुतिपरन।
इ) चौताल मे पानसे घराने का रेला और तिहाई।
फ) जयताल मे एक बेदम और एक दमदार तिहाई।

प्र.3. सोदाहरण परिभाषा लिखे। (कोई भी चार) **(20)**

1) चक्रदार तिहाई 2) चौपल्ली 3) गोपुच्छा यति
4) चतुष्कल 5) मात्रा 6) छंद

प्र.4. अ) वैज्ञानिक दृष्टिकोण से ध्वनि को समझाईये। (10)

ब) 'नाद' की स्पष्ट परिभाषा दीजिये। स्पष्टिकरण देते हुये नाद के विभिन्न गुणधर्मोंको समझाईये। (10)

प्र.5. "तबला / पखावज वाद्य का इतिहास एवंम् विकास तथा आधुनिक रुप मे परिवर्तन" इस विषयपर विस्तार से लिखे। विद्वान कलाकारों के नामों का सादर उल्लेख कीजिये। (20)

प्र.6. अ) तिहाई और चक्रदार की स्पष्ट परिभाषा देकर संक्षेप में तुलनात्मक विवेचन कीजिये। (10)

ब) किसी भी ताल मे एक बेदम और एक दमदार तिहाई। तथा झपताल या सूलताल मे एक चक्रदार लिपिबद्ध कीजिये। (10)

प्र.7. कोई भी दो घनवाद्य तथा कोई भी दो अवनद्ध वाद्यों की सचित्र जानकारी दीजिये। (20)

अथवा

भारतीय अवनद्ध वाद्यों की पाश्चात्य अवनद्ध वाद्यों के साथ बनावट तथा उपयोगिता के आधार पर तुलना कीजिये।